“कक्षा ९ के भौतिक विज्ञान के छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के कारणों का अध्ययन”

“छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर”

बी. एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत
(क्रियात्मक अनुसंधान)
2010-2011

निर्देशक:

डा० मोहम्मद इरशाद हुसैन

शिक्षक- शिक्षण प्रशिक्षण विभाग

अनुसंधानकर्ता:

सूरज सिंह

बी० एड०(छात्राध्यापक)

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

घोषणा–पत्र

मैं **सूरज सिंह** यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान मेरी विशुद्ध रूप से मेरे कठिन परिश्रम के द्वारा तैयार किया गया हैं, तथा इसके पूर्व यह क्रियात्मक अनुसंधान कही अन्यत्र प्रस्तुत नही किया गया हैं।

अपने विद्वान निर्देशक **“डा० मोहम्मद इरशाद हुसैन”** के सफल निर्देशन में शोधकर्ता ने इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना में जिन विविध स्त्रोतो का प्रयोग किया हैं उनका संकेत संदर्भ ग्रन्थ सूची में कर दिया गया हैं।

शोधकर्ता

(सूरज सिंह)

छात्राध्यापक(बी० एड०)

Snow Kids

आभार स्वीकृति

प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कानपुर के ''डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉधी नगर, कानपुर'' के **''कक्षा ९ के भौतिक विज्ञान के छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के कारणों का अध्ययन'' हैं।**

सर्वप्रथम मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर की उस शक्ति के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ जिसने मुझे इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना करने योग्य बनाया।

मैं अपने निर्देशक **''डा० मोहम्मद इरशाद हुसैन''** का अत्याधिक आभारी हूँ जिनके प्रखर निर्देशन और प्रोत्साहन से मैंने अपना शोध कार्य पूरा किया। आपके मार्गदर्शन और अमूल्य सुझावो के परिणामस्वरूप ही यह क्रियात्मक अनुसंधान साकार रूप मे प्रस्तुत हो सका हैं।

मैं **''प्रोफेसर अंसार अहमद''**, विभागाध्यक्ष बी. एड., हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, कानपुर का भी हार्दिक आभारी हूँ जिन्होंने इस क्रियात्मक अनुसंधान को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात मैं हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, चमनगंज, कानपुर के अध्यापकों तथा छात्रों को भी विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि इनके सहयोग के बिना यह क्रियात्मक अनुसंधान पूरा न हो पाता।

शोधकर्ता

(सूरज सिंह)

छात्राध्यापक(बी० एड०)

Snow Kids

"क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित प्रायोगिक परियोजना का प्रतिवेदन"

परियोजना का शीर्षक	:	"कक्षा 9 के भौतिक विज्ञान के छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के कारणों का अध्ययन"
अनुसंधानकर्ता का नाम	:	सूरज सिंह
अनुसंधान निर्देशक का नाम	:	डा० मोहम्मद इरशाद हुसैन
विद्यालय का नाम	:	"डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉधी नगर, कानपुर"
कक्षा	:	9
अनुसंधान की अवधि	:	25 जनवरी 2011 से 24 फरवरी 2011 तक

Snow Kids

“कक्षा ९ के भौतिक विज्ञान के छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के कारणों का अध्ययन”

समस्या की पृष्ठभूमि

छात्राध्यापक ने शिक्षण अभ्यास के अन्तर्गत देखा कि कक्षा में अधिकतर छात्र शिक्षण कार्य के दौरान झगड़ा करने, कक्षा शिक्षण में रूचि न लेने, झूठ बोलने तथा चोरी करने आदि अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति में लिप्त हैं। इससे कक्षा का अनुशासन भंग होता हैं तथा शिक्षक द्वारा शिक्षण कार्य सफलता पूर्वक नही हो पाता तथा शिक्षा कार्य बाधित होता हैं और अध्यापक का आधा समय तो केवल कक्ष अनुशासन बनाने में ही चला जाता हैं। जो कि प्रतिकूल अनुक्रिया हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थियों का सहयोग महत्वपूर्ण होता हैं तथा यह माना गया हैं कि शैक्षिक उद्देश्यों के निष्पादन में शिाक्षक और शिक्षार्थियों दोनो की अन्तःक्रिया महत्वपूर्ण होती हैं।

इस समस्या में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिये छात्राध्यापक ने समस्या के कारणों का पता लगाया तथा एक परियोजना के आधार पर इस समस्या को हल करने का प्रयास किया।

Snow Kids

परियोजना के उद्देश्य

यह परियोजना छात्रों एवं शिक्षको के लिये ही नही बल्किी पूरे समाज के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। इस परियोजना के महत्व को हम निम्न बिन्दूओं के आधार पर व्यक्त कर सकते हैं-

- विद्यार्थियों की रूचियों आवश्यकताओं एवं योग्यताओं को समझकर उनके अनुरूप शिक्षण प्रक्रिया को अपनाने में शिक्षक की सहायता करना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति जैसे- झूठ बोलना, उपहास करना, तथा लड़ाई-झगड़ा करने, आदि से होने वाली हानि के विषय में जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता के स्तर को उठाने के लिये पाठ्य सहगामी क्रियाओ का आयोजन कराना।
- विद्यार्थियों को समय-समय पर महान व्यक्तियों के नैतिक एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण जीवनी पढ़ने के लिये प्रेरित करना।
- शिक्षण प्रक्रिया के दौरान अनुशसनहीनता के कारणो का पता लगाकर उसको दूर करना।
- विद्यालय के वातावरण में सुधार करना।
- छात्रों के समस्याओं के निवारण के लिये उचित प्रकार के कार्यक्रम का निर्माण करना।

Snow Kids

परियोजना का महत्व

यह परियोजना छात्रों एवं शिक्षको के लिये ही नही बल्कि पूरे समाज के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। इस परियोजना के महत्व को हम निम्न बिन्दूओं के आधार पर व्यक्त कर सकते हैं-

- ❖ इस परियोजना के माध्यम से छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति कम किया जा सकता हैं।
- ❖ इस परियोजना के माध्यम से छात्रों में शिक्षण के प्रति रुचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- ❖ छात्रों के मानसिक व शारीरिक विकास के स्तर को उठाने का प्रयत्न किया जा सकता हैं।
- ❖ विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति जैसे- झूठ बोलना, उपहास करना, तथा लड़ाई-झगड़ा करने, आदि से अवगत कराकर उन्हें समुचित मार्गदर्शन दिखाया जा सकता हैं।
- ❖ विद्यार्थियों को समय के महत्व से अवगत कराया जा सकता हैं।
- ❖ इस परियोजना के द्वारा छात्रों में विद्यालय में उपस्थित रहने की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता हैं।
- ❖ छात्रों में आर्दश गुणों का विकास किया जा सकता हैं, जिससे वह आर्दश नागरिक बनें और अपने देश के हित में कार्य करें।
- ❖ इस परियोजना के माध्यम से शिक्षण कार्य को रोचक बनाया जा सकता हैं।

Snow Kids

"कक्षा 9 के भौतिक विज्ञान के छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के कारण"

छात्रों में अनुशासनहीनता के कई कारण हो सकते हैं। इन कारणों में व्यक्तिगत या परिवारिक कारण, आर्थिक कारण, सामाजिक कारण एवं मनौवैज्ञानिक कारण प्रमुख हैं। इन कारणों को हम निम्न लिखित बिन्दुओं के द्वारा समझ सकते हैं-

- छात्रों का शिक्षण अध्ययन में रूचि न लेना एक महत्वपूर्ण कारण हैं।
- सम्भवतः शिक्षण कार्य में पिछड़ जाने के कारण भी छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति जन्म लेने लगती हैं।
- विद्यालय के प्रतिकूल वातावरण के कारण भी छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति का जन्म होने लगता हैं।
- कक्षा में पढ़ने वाले बुरे छात्रों के कुसंगति के कारण भी छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति उत्पन्न होने लगती हैं।
- शिक्षक के कठोर एवं भेदभाव पूर्ण व्यवहार के कारण छात्र अध्ययन से भागने लगते हैं।
- सम्भवतः कुछ बच्चों के माता-पिता उन्हें हर समय छोटी-छोटी बात पर ड़ाँटते व मारते रहते हैं, जिसके कारण बच्चें दूषित वातावरण के सम्पर्क में आ जाते होगे।
- विद्यालय का वातावरण अध्ययन व अध्यापन के अनुकूल न होने से बच्चें पढ़ाई पर ध्यान नही देते।
- विद्यालय में प्रयोगशाला में उपयुक्त उपकरणो का आभाव होना।

Snow Kids

परियोजना का अभिकथन

प्रस्तुत परियोजना में छात्राध्यापक ने ''कक्षा 9 के भौतिक विज्ञान के छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के कारणों का अध्ययन'' किया हैं।

समस्या का परिसीमन

समस्या के अध्ययन हेतु व इसका समाधान करने हेतु ''डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय'', गॉंधी नगर, कानपुर के कक्षा 9 के 40 विद्यार्थियों को लिया गया हैं।

Snow Kids

समस्या के कारणो का विश्लेषण

क्रम संख्या	समस्या के सम्भावित कारण	साक्ष्य	तथ्य या अनुमान	अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण	प्राथमिकता क्रम
1	विद्यालय का दूषित वातावरण	वातावरण का अवलोकन करके	अनुमान	नियत्रणं से बाहर	1
2	विद्यालय के प्रशासन तंत्र की निर्बलता	छात्रों में व्याप्त अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति का निरिक्षण करके	तथ्य	शिक्षक, प्रबन्धक व प्रधानाचार्य के सहयोग से नियत्रणं किया जा सकता हैं।	2
3	छात्रों के पास सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री का आभाव	विद्यार्थियों से पूछ-ताछ करके	तथ्य	शिक्षा विभाग एवं राज्य केन्द्र सरकार के द्वारा नियंत्रण किया जा सकता हैं।	4
4	शिक्षण प्रकिया के समय छात्रों का अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति में लिप्त होना।	कक्षा में प्रत्यक्ष निरीक्षण के द्वारा	तथ्य	नियत्रणं से परे।	6
5	छात्रों से प्रयोगात्मक कार्य न करवाना	छात्रों से पूछताछ करके	तथ्य	शिक्षकों की मदद से नियंत्रित किया जा सकता हैं।	3
6	संरक्षकों का बच्चों के प्रति लापरवाही बरतना	संरक्षकों से साक्षात्कार द्वारा ज्ञात किया	तथ्य	नियंत्रित किया जा सकता हैं।	5

Snow Kids

क्रियात्मक परिकल्पनाओं का निर्माण

समस्या के कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता हैं। इसमें परिकल्पनाओं का आधार वे कारण होते हैं जिन पर अनुसंधानकर्ता का पूर्ण नियंत्रण होता हैं। अतः अनुसंधानकर्ता ने समस्या के समाधान हेतु निम्नलिखित दो परिकल्पनाये बनायी हैं:-

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना

विद्यालय के उन छात्रों को जो अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के हैं उन्हें समझाकर तथा अभिभावकों, अध्यापको एवं प्रधानाचार्य के द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करके उनकी अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति रोका जा सकता हैं।

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना

शिक्षकों द्वारा छात्रों को शिक्षण कार्य में रूचि उत्पन्न करने के लिये नई-नई तकनीकियों, प्रविधियों आदि के प्रयोग द्वारा अनुशासनहीनता को कम किया जा सकता हैं और उचित नियमों के निमार्ण द्वारा शिक्षण को रोचक बनाया जा सकता हैं।

उपकरणों का चयन

समस्या के अध्ययन हेतु बनाई गयी परिकल्पना के परिक्षण के लिये अनुसंधानकर्ता ने कई तथ्य एकत्रित किये जिसके लिये उसने निम्न उपकरणों का चयन किया :-

- प्रेक्षण/निरीक्षण
- साक्षात्कार
- प्रतिपृच्छा
- सूचना

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय-अवधि
1	छात्राध्यापक ने विद्यालय का निरीक्षण किया	विद्यालय के वातावरण के सम्बन्ध में प्रधानाचार्य से विचार-विमर्श	प्रधानाचार्य से विचार-विमर्श करके	3 दिन
2	छात्राध्यापक ने छात्रों में अनुशासनहीनता के कारणों का पता लगाया	छात्रों तथा बाह्य व्यक्तियों से पूछताछ करके तथा छात्रों की गतिविधियों को गुप्त रुप से देखकर	प्रतिपृच्छा	6 दिन
3	छात्राध्यापक द्वारा प्रधानाचार्य की अनुमति से सभी छात्रों के अभिभावकों को विचार-विमर्श के लिये बुलाया गया।	प्रधानाचार्य की सहमति से सभी छात्रों की डायरी में सूचना लिखकर	अभिभावको को सूचना	3 दिन
4	अभिभावकों से विचार-विमर्श के समय छात्राध्यापक द्वारा उन्हें बालकों की अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के सम्पूर्ण कारण बताये गये।	उन कारणों की जानकारी दी गयी जिससे छात्र लड़ाई-झगड़ा, झूठ बोलना, तथा उपहास करना, आदि अपराध करने लगते हैं, तथा उन तथ्यों पर अमल करने की सलाह दी गयी जिनसे छात्र अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति से दूर रहें।	छात्रों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करके	2 दिन

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के आँकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना परिक्षण हेतु 14 दिनों तक कार्य किया इसके अवलोकन के पश्चात् उसने पाया कि छात्रों के अभिभावको के प्रयास से छात्रों की समस्यात्मक प्रवृत्ति में कुछ कमी देखने को मिली हैं किन्तु वे कक्षा में पूर्णरूप से अनुशासित नही हैं। अतः छात्राध्यापक को 14 दिनो तक कार्योपरान्त संतोषजनक सफलता नही मिली। इसलियें छात्राध्यापक ने द्वितीय परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य किया, जो अग्रतालिका में विस्तृत रूप से दिया गया हैं।

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय
1	छात्राध्यापक द्वारा कक्षा के छात्रों को अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति की हानियाँ बताकर उन्हें अनुशासनपूर्वक पढ़ने की प्रेरणा दी गयी।	ठसके द्वारा होने वाली हानियाँ बताकर तथा महान व्यक्तियों की जीवनी सुनाकरे।	सुझाव	2 दिन
2	छात्राध्यापक व अध्यापकों के मध्य प्रयोगात्मक कार्य करवाने के तरीको की चर्चा की गयी।	अध्यापकों के मध्य परिचिर्चा के माध्यम से महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।	साक्षात्कार	3 दिन
3	छात्राध्यापक के सुझाव को विद्यालय प्रशासन तन्त्र को चुस्त बनाकर लागू किया गया।	प्रधानाचार्य व प्रबन्धक के मध्य बैठक में विद्यालय के प्रशासन को चुस्त बनाने की कार्यवाही की गयी।	प्रबन्धक एवं प्रधानाचार्य की सहायता से	2 दिन
4	छात्रों की विभिन्न प्रवृत्तियों की तथा कक्षा में अनुशासनपूर्वक अध्ययन करने की जानकारी ली गयी और शिक्षण कार्य किया गया।	विद्यालय में शिक्षण प्रक्रिया के दौरान छात्रों के क्रियाकलापों की जॉच की गयी तथा पढ़ाये गये नैतिक पाठ से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर कार्य किया गया।	प्रेक्षण/ निरीक्षण	6 दिन

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के आँकड़ो का विश्लेषण

उपरोक्त परियोजना के अनुसार छात्राध्यापक ने 13 दिनों तक द्वितीय परिकल्पना के परीक्षण हेतु कार्य किया। छात्राध्यापक ने देखा कि विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार को देखा। इस प्रकार यह पाया कि अभिभावकों, शिक्षकों व प्रधानाध्यापक के द्वारा परियोजना के अनुसार कार्य करने पर छात्रों में समस्यात्मक प्रवृत्ति कम हो जीती हैं। छात्राध्यापक ने अपने निरीक्षण में छात्रों के क्रिया-कलाप साक्षात्कार व शिक्षण के द्वारा पता चला कि छात्रों में आपराधिक प्रवृत्ति को छोड़ कर अनुशासन् पूर्वक अध्ययन करने में रूचि लिया हैं।

Snow Kids

परिणामः-

छात्राध्यापक द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति जैसे- झूठ बोलना, तथा लड़ाई-झगड़ा करने, आदि में लगभग 27 दिनों तक क्रियात्मक परिकल्पनाओं के अनुरूप कार्य किया गया। परिणामस्वरूप यह देखा गया कि समस्या के अध्ययन में सम्मिलित विद्यार्थी में अनुशासनहीनता में कमी देखी गयी हैं।

परियोजना का मूल्यांकनः-

छात्राध्यापक ने लगभग 27 दिनों तक इस परियोजना पर कार्य किया तथा किये गये कार्य का अवलोकन करने के पश्चात् विद्यार्थियों एवं अन्य शिक्षको से साक्षात्कार के माध्यम से ऑकड़े एकत्र किये। ऑकड़ों का अवलोकन करने के पश्चात् छात्राध्यापक ने पाया कि परियोजना के क्रियान्वयन से कक्षा 9 के विद्यार्थियों में काफी सुधार आया हैं। अब वे नियमित रूप से आकर कक्षा में अध्ययन कार्य रूचिपूर्वक करने लगे हैं। अतः छात्राध्यापक द्वारा बनाई गयी परियोजना सफल सिद्ध हुई और परियोजना की सफलता से छात्रों, अध्यापकों तथा विद्यालय सभी को लाभ हुआ।

निष्कर्षः-

परियोजना के परिणाम के आधार पर निष्कर्ष के रूप मे यह कहा जा सकता हैं कि विद्यार्थियों को उचित निर्देशन एवं परामर्श देकर और उनके कार्यो का निरीक्षण करके एवं उनके द्वारा स्वयं कार्य करवाकर सामने आने वाली समस्याओं का निदान किया जा सकता हैं। अतः छात्राध्यापक को शिक्षण कार्य के समय अपने क्रियाकलापों में सुधार करके तथा छात्रों को उचित निर्देशन के द्वारा उनका मार्गदर्शन करना चाहियें।

Snow Kids

सुझाव

छात्राध्यापक के द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् निकाले गये निष्कर्षों के आधार पर शिक्षकों, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते हैंः-

- विद्यार्थियों को समय-समय पर नैतिकता व अच्छे चरित्र वाले व्यक्तियों का उदाहरण देना चाहिये।
- शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य के सहयोग द्वारा अनुशासनहीनता की समस्या का समाधान किया जाना चाहिये।
- प्रधानाचार्य व प्रबन्धक को छात्रों की अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के सम्बन्ध में वास्तविक समस्या का अध्ययन करना चाहिये ताकि विद्यार्थियों में सुधार हो सके।
- शिक्षकों को अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति के बालकों को पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के लिये प्रेरित करना चाहिये।

Snow Kids

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

सत्र : 2010-2011

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- ❖ सिंह, डा० कर्ण, (2006) विज्ञान शिक्षण, गोविन्द प्रकाशन, लखीमपुर खीरी।
- ❖ पाठक, पी० डी०, (2009) विज्ञान शिक्षण शिक्षण, विनोद प्रस्तक मंदिर, आगरा।
- ❖ शील, अवनीन्द्र, (2007) विज्ञान शिक्षण, साहित्य रत्नालय, कानपुर।

Snow Kids